28 जवानों की मौत हो गई है अफगान सुरक्षा बलों और पुलिस को निशाना बनाकर किए गए तालिबान के ताजा हमलों में। अमेरिका के साथ शांति समझौते के बावजूद आतंकी संगठन के अफगानिस्तान में हमले जारी हैं।

न्यूयॉर्क में अस्पताल भरे, घर में ही रखे जा रहे मरीज

न्यूयॉर्क टाइम्स से

▸ राष्ट्रपति ट्रंप ने बढ़ाई पाबंदियां, मृत्युदर तेज होने की जताई आशंका

▸ अमेरिका में एक लाख 40 हजार से ज्यादा संक्रमित, ढाई हजार की मौत

न्यूयॉर्क : कोरोना वायरस महामारी से बेहाल अमेरिका में मरीजों की बढ़ती संख्या के कारण चिकित्सा व्यवस्था नाकाफी होती जा रही है। सबसे खराब स्थिति न्यूयॉर्क शहर में देखने को मिल रही है। यहां के सभी अस्पताल मरीजों से भर गए हैं। कई पीड़ितों को अब घर में ही रखा जा रहा है।

इस बीच, राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने देश में लगाई गई पाबंदियों को अप्रैल के आखिर तक बढ़ा दिया है। उन्होंने आने वाले दो हफ्तों में कोरोना के चलते मृत्युदर भयावह होने की भी आशंका जताई है। अमेरिका में संक्रमित लोगों का आंकड़ा एक लाख 40 हजार के पार पहुंच गया है और ढाई हजार लोगों की मौत हो चुकी है।

न्यूयॉर्क के कुछ अधिकारियों और स्वास्थ्यकर्मियों के अनुसार, शहर के अस्पतालों में कोरोना के मामलों की बाढ़ आ गई है। कुछ रोगियों को उनके घरों में ही छोड़ दिया जा रहा है, क्योंकि स्वास्थ्य प्रणाली सभी की देखभाल नहीं कर सकती। उन्होंने बताया कि चिकित्सा संकट को लेकर एंबुलेंस के लिए ठीक उसी तरह फोन कॉल आ रही हैं, जैसे नौ सितंबर, 2001 को आतंकी हमले के वक्त आई थीं। शहर में कोरोना वायरस को लेकर गुरुवार को रिकार्ड सात हजार से ज्यादा कॉल आईं। इतनी बड़ी संख्या में फोन कॉल 9/11 हमले के बाद कभी नहीं आई थीं। स्वास्थ्यकर्मियों ने बताया कि सबसे ज्यादा कॉल सांस लेने में तकलीफ या बुखार को लेकर आ रही हैं।

वुहान से बुरे हालात होने का अंदेशा : अमेरिका में कोरोना वायरस की महामारी का केंद्र बने न्यूयॉर्क शहर में शनिवार तक तीस हजार से ज्यादा मामले सामने आ चुके थे जबकि 672 लोगों की मौत हुई है। विशेषज्ञों का मानना है कि न्यूयॉर्क में अगर इसी दर से पीड़ित बढ़ते रहे तो यहां चीन के वुहान शहर से भी ज्यादा बुरे हालात हो सकते हैं। वुहान से ही यह वायरस पूरी दुनिया में फैला।

अमेरिका के इंडियो में कोरोना वायरस के पीड़ितों के इलाज के लिए कैलिफोर्निया नेशनल गार्ड द्वारा तैयार किया गया अस्थायी अस्पताल। एएफपी

नियमों का पालन नहीं हुआ तो 22 लाख की हो सकती है मौत

ट्रंप ने रविवार को ह्वाइट हाउस में कहा कि हमें सामूहिक तौर पर एक माह और कष्ट उठाने की जरूरत है। उन्होंने कोरोना के मौजूदा आंकड़े का हवाले देते हुए कहा, 'महामारी को फैलने से रोकने के लिए अगर हमने शारीरिक दूरी का पालन नहीं किया तो 22 लाख अमेरिकियों की मौत हो सकती है। इसलिए हम दिशा-निर्देशों को 30 अप्रैल तक बढ़ाएंगे। इस अवधि में हर किसी को इसे सख्ती से पालन करना बेहद महत्वपूर्ण है।'

कोरोना के चलते दबाव में अमेरिकी हेल्थकेयर सिस्टम

वाशिंगटन, प्रेट्र : दुनिया में अमेरिका का सर्वश्रेष्ठ माने जाने वाला हेल्थकेयर सिस्टम कोरोना महामारी के चलते भारी दबाव में आ गया है। चिकित्सा की हर उन्नत सुविधा उपलब्ध होने के बावजूद अमेरिका महामारी पर रोक नहीं लगा पा रहा है। वेंटीलेटर समेत चिकित्सा उपकरणों की कमी के साथ ही तेजी से बढ़ते मरीजों के कारण अस्पताल भी कम पड़ते जा रहे हैं। इस स्थिति से निपटने के लिए न्यूयॉर्क, शिकागो, लॉस एंजिलिस और सिएटल जैसे कई शहरों में फुटबाल स्टेडियम, सम्मेलन केंद्र और रेसकोर्स अस्पताल में तब्दील किए जा रहे हैं। ट्रंप प्रशासन ने कोरोना से बिगड़ते हालात से निपटने के लिए अपने सभी स्रोतों को सक्रिय कर दिया है। मरीजों के इलाज के लिए रिटायर डॉक्टरों से भी मदद मांगी गई है। अमेरिकी सेना की इंजीनियरिंग कोर देशभर में अस्थायी अस्पतालों के निर्माण में जुटी है। न्यूयॉर्क में भारतवंशी चिकित्सक प्रकृति गाबा ने कहा, 'हमारे पास पर्याप्त आइसीयू बेड नहीं हैं। इसके बावजूद हमारी स्वास्थ्य प्रणाली लोगों को बचाने का उपाय कर रही है।'

सेल्फ आइसोलेशन में नेतन्याहू

▸ संसदीय सहायक के कोरोना संक्रमण से प्रभावित होने के बाद उठाया कदम

यरुशलम, रायटर : इजरायल में संसदीय सहायक के कोरोना वायरस से पीड़ित होने के बाद प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू सोमवार को सेल्फ आइसोलेशन (एकांतवास) में चले गए। मंगलवार को प्रधानमंत्री का कोरोना वायरस टेस्ट होगा। इससे पहले उनका 15 मार्च को भी टेस्ट हुआ था जिसमें उनमें वायरस से प्रभावित होने का कोई लक्षण नहीं पाया गया था।

पता चला है कि संक्रमण से प्रभावित हुईं संसदीय सहायक ने पिछले हफ्ते आयोजित संसद सत्र में हिस्सा लिया था। इस सत्र में प्रधानमंत्री नेतन्याहू भी शामिल हुए थे। शुरुआती आकलन में प्रधानमंत्री के लिए सेल्फ आइसोलेशन की जरूरत महसूस नहीं की गई। क्योंकि कोरोना वायरस की शिकार संसदीय सहायक नेतन्याहू के नजदीक नहीं आईं थीं और न ही नेतन्याहू उनसे दूर रहते हुए ही मिले थे। बावजूद इसके नेतन्याहू ने फैसला किया कि वह और उनके व्यक्तिगत कार्यों के लिए तैनात अधिकारी कोरोना वायरस की जांच पूरी होने तक सेल्फ आइसोलेशन में रहेंगे। इजरायली प्रशासन के अनुसार नेतन्याहू डॉक्टरों की सलाह का पूरा पालन करते हुए वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिये सरकारी कार्य और बैठकें कर रहे हैं। इजरायल के स्वास्थ्य विभाग के दिशानिर्देशों के मुताबिक कोरोना पीड़ित के संपर्क में आने वाले व्यक्ति के लिए 14 दिन का सेल्फ आइसोलेशन आवश्यक है। संदेह के दायरे में आए व्यक्ति के परीक्षण के बाद उसके आइसोलेशन की अवधि कम भी हो सकती है। संसद के जिस सत्र में कोरोना पीड़ित सहायक शामिल हुई थीं, उसी में नेतन्याहू के राजनीतिक प्रतिद्वंद्वी बेनी गेंट्ज को स्पीकर पद के लिए निर्विरोध चुना गया था। इसी चुनाव से ही नेतन्याहू और गेंट्ज में विश्वास का भाव पैदा हुआ और उनके बीच की दूरी कम हुई। अब दोनों ने मिलकर आपातकालीन सरकार चलाने का फैसला किया है।

बेंजामिन नेतन्याहू। फाइल

स्पेन में 12 हजार स्वास्थ्य कर्मियों को कोरोना

महामारी का प्रकोप ▸ पिछले चौबीस घंटे में 812 लोगों की मौत

देश में संक्रमण के मामलों की संख्या बढ़कर हुई 85,195

मैड्रिड, एजेंसियां : स्पेन के 12,298 स्वास्थ्य कर्मचारियों का कोरोना का टेस्ट पॉजिटिव आया है। यह देश में संक्रमित लोगों की संख्या 85,195 का 14 फीसद है। उधर, स्पेन के हेल्थ इमरजेंसी प्रमुख फर्नांडो साइमन का कोरोना का टेस्ट पॉजिटिव आया है। साइमन कोरोना संक्रमण से निपटने वाले समूह का नेतृत्व कर रहे थे और प्रधानमंत्री पेड्रो सांचेज के सीधे संपर्क में थे। वहीं स्पेन में पिछले चौबीस घंटे में 812 लोगों की मौत हुई है। इस तरह वहां मरने वालों की संख्या 7,340 हो गई है। गुरुवार के बाद यह पहली बार है जब चौबीस घंटों में सबसे कम मौतें हुई हैं। रविवार को स्पेन में रिकॉर्ड 838 लोगों की मौत हुई थी। स्पेन में संक्रमण के 85,195 मामले हो गए हैं। मृतकों और संक्रमित लोगों की संख्या में आ रही कमी को देखते हुए विशेषज्ञों का अनुमान है कि आने वाले दिनों में इससे और राहत मिल सकती है।

कोरोना के मरीजों से भरे पड़े हैं ब्रिटेन के सरकारी अस्पताल : लंदन: भारतीय मूल की एक डॉक्टर गुड्डी सिंह ने कहा है कि ब्रिटेन के सरकारी अस्पताल कोरोना संक्रमित मरीजों से भरे पड़े हैं। उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य मंत्रालय को कोरोना वायरस और पर्सनल प्रोटेक्टिव इक्यूपमेंट (पीपीई) को लेकर भारी चिंता है। बाल रोग विशेषज्ञ गुड्डी सिंह ने कहा कि बीमारी से निपटने के लिए हमारे पास ना केवल वेंटीलेटर की कमी है, बल्कि पीपीई के उपयोग और उपलब्धता को लेकर भी भारी भ्रम है। अपने साथी डॉक्टरों के हवाले से उन्होंने कहा कि हमें कहा गया है कि किसी भी रोगी को अगर खांसी आए तो हम अपनी आंखें बंद कर लें। हम पूरी तरह से अपने को असहाय महसूस कर रहे हैं। उधर, ब्रिटेन ने एयरबस, बीएई सिस्टम्स, फोर्ड और फॉर्मूला वन रेसिंग टीम के कंसोर्टियम को 10,000 से अधिक वेंटीलेटर बनाने का आदेश दिया है।

ब्रिटिश प्रधानमंत्री के सहयोगी आइसोलेशन में गए : ब्रिटिश प्रधानमंत्री बोरिस जॉनसन के सहयोगी डोमिनिक कूमिंग्स कोरोना के हल्के लक्षण दिखाई देने के बाद आइसोलेशन में चले गए हैं। हालांकि अभी तक यह स्पष्ट नहीं हो सका है कि उनका कोरोना टेस्ट हुआ है या नहीं। बता दें कि कूमिंग्स ही वह व्यक्ति थे, जो जॉनसन को कोरोना होने के बाद 10 डाउनिंग स्ट्रीट से भागते हुए टीवी चैनलों पर दिखाई दिए थे।

इटली में बढ़ेगा लॉकडाउन : इटली के क्षेत्रीय मामलों के मंत्री फ्रांसेस्को बोकिया ने कहा कि तीन अप्रैल को खत्म हो रहे लॉकडाउन को अनिवार्य से बढ़ाया जाएगा। उन्होंने कहा, 'मुझे लगता है कि इस समय लॉकडाउन को हटाने संबंधी बात करना ना केवल अनुचित, बल्कि गैर जिम्मेदाराना भी है। बता दें कि इटली के प्रधानमंत्री ग्यूसेप कोंते ने देशवासियों को रविवार को ही एक और लंबे लॉकडाउन के लिए तैयार रहने का संकेत दे दिया था।

दक्षिण कोरिया में देश के आर्थिक हालात की समीक्षा के लिए बैठक बुलाई गई। राष्ट्रपति मून जे-इन और मंत्रिमंडल के सहयोगी सुरक्षा के लिए मास्क पहनकर बैठक में शामिल हुए। एपी

देश	मृतक	संक्रमित
इटली	10,779	97,689
स्पेन	7,340	85,195
चीन	3,304	81,470
ईरान	2,757	41,495
अमेरिका	2,490	1,42,793
फ्रांस	2,606	40,174
ब्रिटेन	1,228	19,552

कोविड19 का असर

रूस की राजधानी मास्को में सोमवार से लॉकडाउन शुरू हो गया। देश के अन्य प्रांत भी इसी तरह का कदम उठा रहे हैं।

स्विटजरलैंड में मृतकों की संख्या 3,00 के करीब पहुंची। संक्रमित लोगों की संख्या 15,500 हुई।

जापान ने अमेरिका, यूरोप, चीन और दक्षिण कोरिया से आने वाले लोगों पर प्रतिबंध लगा दिया है।

फ्रांस ने रविवार को जिन अस्पतालों में कोरोना संक्रमित मरीजों की संख्या ज्यादा है वहां से उन्हें अन्य शहरों के अस्पतालों में स्थानांतरित किया।

ऑस्ट्रेलिया ने 130 अरब डॉलर (साढ़े नौ लाख करोड़ रुपये से ज्यादा) के राहत पैकेज का एलान किया है।

दुनिया में सात लाख के पार पहुंची मरीजों की संख्या

कोरोना संक्रमित मरीजों की संख्या 7,40,235 हो गई है। जबकि मृतकों की संख्या का आंकड़ा 35,035 हो गया है। अकेले यूरोप में 25,000 से ज्यादा लोगों की मौत हुई है। अब तक 1,56,588 लोग ठीक हो चुके हैं।

सिंगापुर में तीन भारतीयों समेत 42 और संक्रमित

सिंगापुर, प्रेट्र : छोटे से देश सिंगापुर में रविवार को कोरोना संक्रमण के 42 नए मामले सामने आए। इनमें तीन भारतीय भी शामिल हैं। करीब 35 साल के इन भारतीयों में से दो हाल में भारत आए थे। नए पॉजिटिव मामलों में 24 लोगों ने हाल में विदेश यात्रा की थी। इनमें यूरोप, उत्तरी अमेरिका और पश्चिम एशिया के देश शामिल हैं। नए मामलों के साथ सिंगापुर में अब तक कोरोना पॉजिटिव लोगों की संख्या 844 हो चुकी है। इनमें से 19 की हालत गंभीर बताई गई है। कोरोना संक्रमित 212 मरीज अब तक ठीक होकर घर जा चुके हैं।

वायरस की भयावहता से कई लोग हो सकते हैं अनजान

▸ पनडुब्बियों पर तैनात नौसैनिकों का मनोबल हरहाल में बनाए रखना जरूरी

▸ साठ से सत्तर दिन का होता है फ्रांस की नौसेना एक औसत अभियान

ले पेक (फ्रांस), एपी : दुनिया भर में जहां जानलेवा कोरोना के कारण हाहाकार मचा है वहीं अटलांटिक महासागर की गहराइयों में गश्त पर निकलीं पनडुब्बियों में सवार विभिन्न देशों के नौ सैनिकों को शायद इसकी भनक भी न हो। यह अज्ञानता उनके लिए वरदान से कम नहीं है। वे जब अपने गोपनीय मिशन से वापस लौटेंगे तब तक शायद इस बीमारी पर काबू पा लिया जाये।

फ्रांस की युद्धक पनडुब्बियों पर तैनात रह चुके अधिकारी ने बताया कि पनडुब्बियां जब गोपनीय सैन्य अभियान पर होती हैं तो उसके अधिकारियों व नौसैनिकों को बुरी खबर नहीं दी जाती। इससे उनका मनोबल प्रभावित होता है। इसलिए जो नौसैनिक इस बीमारी के फैलने से पहले सैन्य अभियान पर निकल चुके होंगे व पूरी तरह इससे अनजान होंगे।

वर्ष 2003 से 2006 तक फ्रांस की युद्धक पनडुब्बी के कमांडर रहे रिटायर्ड एडमिरल डोमिनिक सैल्स ने कहा कि यह तय है कि नौसैनिकों को इसके बारे में कोई सूचना नहीं दी गई होगी। उन्हें अभियान के लिए पूरी तरह तैयार रखना होता है। उन्हें इस बारे में बताया भी जायेगा तो मिशन खत्म कर वापस लौटने से दो दिन पहले। वैसे जो लोग समुद्र में हैं उन्हें इसे बताने की जरूरत भी नहीं है। मेरे ख्याल से पनडुब्बी के कमांडरों को हो सकता है इस बारे में कुछ बताया गया हो लेकिन उन्हें भी पूरा ब्योरा नहीं दिया गया होगा।

फ्रांस की नौ सेना के प्रवक्ता लेफ्टीनेंट कमांडर ओलीवियर रिबार्ड ने बताया कि पनडुब्बियों पर तैनात क्रू को इस बारे में कोई सूचना दी गई या नहीं यह जानकारी नहीं दी जा सकती। साथ ही फ्रांस में 17 मार्च से लाकडाउन के बाद उसकी चार युद्धक पनडुब्बियां पोर्ट छोड़ चुकी थी या नहीं यह भी जानकारी नहीं दी जा सकती। चूंकि पनडुब्बी पर तैनात लोग सुरक्षा और गोपनीयता के माहौल में काम करते हैं। इसलिए यह जानना कठिन है कि उन्हें इस बारे में कुछ बताया गया कि नहीं।

जानकारी के अनुसार फ्रांस की युद्धक पनडुब्बियों का अभियान 60 से 70 दिन के होते हैं। हर पनडुब्बी पर 110 क्रू मेंबर होते हैं। इसलिए जो पनडुब्बी फरवरी की शुरुआत में निकली होगी उसके अप्रैल के अंत से पहले लौटने की संभावना नहीं है।

पहली मार्च तक फ्रांस में कोविड-19 से मात्र 130 लोग पीड़ित थे और दो लोगों की ही मौत हुई थी। लेकिन एक महीने क अंदर ही संक्रामितों की तादाद 40,000 और मृतक संख्या 2600 हो गई।

ले ट्रिम्फेंट नामक पनडुब्बी पर नौसेना के डाक्टर के रूप में तैनात रह चुके गब्रियेल ने बताया कि नौसैनिकों को लौटने पर जब यह वाकया पता चलेगा तो उन्हें सदमा लग सकता है। उन्हें इस आपदा के प्रभाव का ऐसा कोई तजुर्बा नहीं होगा जैसा कि हम लोगों को हो गया है। हो सकता है कि इस सबका उनके मनोबल पर गहरा असर हो।

शी चिनफिंग की प्रतिष्ठा को कोविड-19 ने पहुंचाई चोट

हांगकांग, एएनआइ : कोरोना महामारी से चीन में तीन हजार से ज्यादा लोगों की जान ही नहीं गई बल्कि इसने चीन की सत्तारूढ़ कम्युनिस्ट पार्टी और उसके चेयरमैन राष्ट्रपति शी चिनफिंग की प्रतिष्ठा को भी काफी नुकसान पहुंचाया है। अब पार्टी की प्रचार मशीनरी इससे हुए नुकसान की भरपाई में लग गई है। खास बात यह है कि इसके लिए वह फेसबुक और ट्विटर जैसे माध्यमों का उपयोग कर रही है, जो चीन में प्रतिबंधित हैं।

कैनबरा स्थित एक गैर लाभकारी रिसर्च आर्गेनाइजेशन 'चाइना पॉलिसी सेंटर' के निदेशक एडम नी ने बताया कि महामारी से ठीक तरह से निपट नहीं पाने के चलते चिनफिंग की छवि धूमिल हुई है। पिछले बारह महीनों के दौरान चिनफिंग को कई चुनौतियों का सामना करना पड़ा है, इसमें धीमी अर्थव्यवस्था सहित हांगकांग और अमेरिका-चीन संबंध जैसे मुद्दे शामिल हैं। अभी तक तो चीन का मीडिया बिना सोचे-समझे चिनफिंग और कम्युनिस्ट पार्टी के पक्ष में खड़ा होता रहा है, लेकिन इस महामारी के बाद उस पर भी दबाव बढ़ा है।

माओत्से तुंग के समय इसे जुबानी युद्ध कहा जाता था, लेकिन आज के दौर में यह पश्चिमी मीडिया प्लेटफार्म पर लड़ा जा रहा है। इसीलिए पश्चिमी देशों के मीडिया प्लेटफार्म पर चल रही खबरों से निपटने के लिए चीनी राजनयिक, मंत्री और सरकारी विभाग के प्रवक्ता हरसंभव प्रयास कर रहे हैं। महामारी के नियंत्रण में चीन की भूमिका से जुड़े कई पोस्ट और लेखों के लिए ये लोग फेसबुक और ट्विटर का व्यापक रूप से उपयोग कर रहे हैं। इसके पीछे का एकमात्र उद्देश्य यह है कि वुहान में कोरोना के प्रकोप के लिए किसी दूसरे पर दोष मढ़ा जा सके। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता लिजियन झाओ ने ट्वीट कर महामारी फैलने को अमेरिकी साजिश बताया था। एडम ने कहा, महामारी के प्रकाश में आने के बाद चीन के अधिकारियों का पहला प्रयास सूचनाओं को दबाना था। लेकिन जब वह इसमें सफल नहीं हुए तो रिकॉर्ड समय में अस्पताल बनाने और लॉकडाउन जैसे फैसलों को प्रचारित करना शुरू किया। हालाकि शुरुआत में अधिकारियों को गर्मजोशी नहीं दिखाई।

वुहान में खुली दुकानें

चीन में कोरोना प्रकोप के केंद्र वुहान में सोमवार को दुकानें भले ही खुल गईं हों, लेकिन उपभोक्ता बुरी तरह डरे हुए हैं। दुकानों में ग्राहकों को प्रवेश देने के नियम निर्धारित किए गए हैं। सैनिटाइजर से उनके हाथ धुलाने सहित दुकानदारों को उनके शरीर का तापमान भी लेना होगा। वुहान में बस और सब-वे सेवा पहले ही शुरू हो चुकी है।

हैरी-मेगन की सुरक्षा का खर्च नहीं उठाएगा अमेरिका : ट्रंप

वाशिंगटन, प्रेट्र : अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा है कि उनका देश ब्रिटेन के प्रिंस हैरी और उनकी पत्नी मेगन की सुरक्षा पर आने वाला खर्च नहीं उठाएगा। ट्रंप का यह बयान उन खबरों के बीच आया है कि यह शाही जोड़ा कनाडा से अमेरिका के लॉस एंजिलिस शहर में आकर बस गया है।

ब्रिटिश अखबार सन ने पिछले हफ्ते खबर दी थी कि हैरी और मेगन अपने दस माह के बेटे आर्ची के साथ लॉस एंजिलिस चले गए हैं। मॉडल मेगन इसी शहर में पली-बढ़ी हैं। इस खबर पर ट्रंप ने रविवार को एक ट्वीट में कहा, 'मैं महारानी और ब्रिटेन का अच्छा दोस्त और प्रशंसक हूं। पहले खबर थी कि ब्रिटेन छोड़ने वाले हैरी और मेगन हमेशा के लिए कनाडा में बसेंगे। अब वे कनाडा से अमेरिका आ गए हैं। अमेरिका उनकी सुरक्षा का भुगतान नहीं करेगा। इसका भुगतान उन्हें ही करना होगा।' 35 वर्षीय हैरी और 38 साल की मेगन आधिकारिक तौर पर शाही परिवार से अलग हो चुके हैं।

दोनों ने गत आठ जनवरी को यह एलान कर सबको चौंका दिया था कि वे शाही जिम्मेदारियां छोड़कर आर्थिक रूप से स्वतंत्र होना चाहते हैं। पिछले माह कनाडा की सरकार ने भी साफ कर दिया था कि वह हैरी और मेगन की सुरक्षा का खर्च नहीं उठाएगी।

ताइवान ने कहा, हमारी सूचनाएं साझा नहीं कर रहा विश्व स्वास्थ्य संगठन

▸ चीन के दबाव में खुद के साथ भेदभाव करने का लगाया आरोप

▸ अपने आंकड़े चीन के साथ मिलाने से भ्रम फैलने की बात कही

ताइपे, रायटर्स : ताइवान के विदेश मंत्रालय ने विश्व स्वास्थ्य संगठन पर आरोप (डब्लूएचओ) लगाया है कि वह उसके देश के कोरोना के मामलों और इलाज के तरीकों को अपने सदस्य देशों के साथ साझा नहीं कर रहा है। उल्लेखनीय है चीन के दबाव में डब्लूएचओ ने ताइवान को सदस्य की मान्यता नहीं दी है। चीन ताइवान को अपना हिस्सा बताता है। इस बात ने ताइवान का गुस्सा भड़का दिया है।

ताइवान का कहना है कि कोरोना महामारी के प्रकोप के समय ताइवान को डब्लूएचओ से बाहर करा कर ताइवानी लोगों की जिंदगी के साथ खिलवाड़ किया जा रहा है। हालांकि ताइवान ने इस बीमारी की गंभीरता को पहले ही भांपकर अपने प्रयासों से संक्रमितों व मरने वालों क संख्या को काफी नियंत्रित रखा। इसके लिए ताइवान की प्रशंसा भी हो रही है।

ताइवान ने पिछले सप्ताह आरोप लगाया था कि विश्व स्वास्थ्य संगठन बीमारी शुरू होने का बारे में उसके द्वारा पूछे गये सवालों की उपेक्षा कर रहा है। यह चीन की उस खतरनाक रणनीति का हिस्सा है जिसके कारण ताइवान को डब्लूएचओ से बाहर किया गया।

उल्लेखनीय है डब्लूएचओ ने रविवार को ताइवान के बारे में एक अप्रत्याशित बयान जारी कर कहा कि वह वहां कोरोना वायरस के विस्तार पर करीब से नजर रखे हुए है। ताइवान के लोग इस संकट से कैसे निपट रहे हैं इसका सबक ले रहे हैं। साथ ही दावा किया कि हम ताइवान के विशेषज्ञों के साथ मिलकर काम कर रहे हैं।

इसके जवाब में ताइवान के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता चोआना आऊ ने कहा कि डब्लूएचओ को रजनीतिक दबाव के चलते ताइवान पर लगाये गये प्रतिबंधों की समीक्षा करनी चाहिये।

प्रवक्ता ने कहा कि ताइवान अपने अंतरराष्ट्रीय स्वास्थ्य नियंत्रक ढांचे से डब्लूएचओ को रिपोर्ट कर सकता है और उसकी इंतरिक इवेंट साइट से सूचनाएं ले सकता है। लेकिन ताइवान की सूचनाओं को डब्लएचओ ने किसी से साझा नहीं किया। प्रवक्ता ने कहा कि हमारे देश में जबसे यह बीमारी फैली हमने एक एक मामले और रोकथाम के उपायों की सूचना दी लेकिन डब्लूएचओ की रोजाना जारी होने वाली रिपोर्ट में इसका कभी जिक्र नहीं किया गया।

यही वजह है कि विभिन्न देशों के स्वास्थ्य संगठन ताइवान में कोरोना के ताजा हालात के बारे में अवगत नहीं हैं। इन देशों को पता नहीं चल पा रहा कि हमने इस बीमारी पर कैसे काबू पाया। हमारी सीमाएं सील हैं कि नहीं।

ताइवान के विदेश मंत्री, जोसेफ वू। फाइल

चिंताजनक

मझधार में फंसे खाड़ी देशों के प्रवासी कामगार

लॉकडाउन के बाद नियोक्ताओं ने रोका वेतन, छंटनी पर कर रहे विचार, यहां संक्रमण के 3200 मामले आ चुके हैं सामने

दोहा, एएफपी : कोरोना महामारी के बीच खाड़ी देशों में फंसे लाखों प्रवासी कामगारों को अनिश्चितता का सामना करना पड़ रहा है। सरकारों द्वारा लॉकडाउन घोषित किए जाने के बाद नियोक्ताओं ने ना केवल उनका वेतन रोक लिया है बल्कि छंटनी पर भी विचार कर रहे हैं। कामगारों को इसका भी डर है कि अगर वह शारीरिक दूरी के नियमों को मानने से इन्कार करते हैं तो उन्हें जेल भी भेजा जा सकता है। खाड़ी देशों में कोरोना संक्रमण के 3200 मामले सामने आ चुके हैं।

कतर में काम करने वाले पाकिस्तानी मूल के 27 वर्षीय इंजीनियर ने कहा, हम पिछले आठ-दस दिनों से लॉकडाउन में हैं। हमें नहीं पता कि यह कब खत्म होगा। हमें किराने का सामान नहीं मिल रहा। सरकार भोजन उपलब्ध करा रही है, लेकिन इसमें कुछ ही चीजें शामिल हैं। पाकिस्तानी मूल का यह इंजीनियर उन हजारों कामगारों में है, जो कुछ कर्मचारियों के कोरोना संक्रमित निकलने के बाद दोहा इंडस्ट्रियल एरिया में रहने को मजबूर हैं। मानवाधिकार संगठन ह्यूमन राइट्स वाच (एचआरडब्ल्यू) और एमनेस्टी का कहना है कि खाड़ी देशों में काम करने वालों के पास आवास और स्वच्छता जैसी मूलभूत सुविधाएं नहीं हैं। नियोक्ता उन्हें वेतन नहीं दे रहे, साथ ही उन्हें मनमाने तरीके से निकालने या निर्वासित करने की धमकी दी जा रही है।

एचआरडब्ल्यू की शोधकर्ता हिबा जयादीन ने कहा, खाड़ी देशों में नियोक्ताओं को बहुत ज्यादा अधिकार मिले हैं। इसी के चलते वे प्रवासी कामगारों का शोषण करते हैं। अगर खाड़ी देश चाहते हैं कि संक्रमण नहीं फैले तो उन्हें इनके रहने वाली जगह की साफ-सफाई के साथ ही इनकी सोशल डिस्टेंसिंग पर भी ध्यान देना चाहिए।

दुबई में संक्रमण के खतरे को देखते हुए अहतियातन टिकट मशीनों को भी सैनिटाइज किया जा रहा है। रायटर

दुबई में भारतीय ने दान की इमारत

दुबई, प्रेट्र : संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) के दुबई शहर में रहने वाले भारतीय कारोबारी अजय शोभराज ने कोरोना वायरस से मुकाबले में बड़ी मदद दी है। उन्होंने वायरस प्रभावित लोगों को क्वारंटाइन करने के मकसद से मुल्क के स्वास्थ्य प्राधिकरण को अपनी एक इमारत दान कर दी। यूएई में कोरोना के 570 मामले सामने आए हैं और दो लोगों की जान जा चुकी है।

गल्फ न्यूज में रविवार को छपी खबर के अनुसार, फिंजा ज्वैलरी के संस्थापक और अध्यक्ष शोभराज ने क्वारंटाइन सेंटर बनाने के लिए दुबई के जुमेरा लेक टावर्स में स्थित अपनी एक इमारत दान कर दी। इसमें 400 लोगों को रखने की व्यवस्था हो सकती है। दुबई स्वास्थ्य प्राधिकरण को लिखे पत्र में भारतीय कारोबारी ने कहा, 'मेरा मानना है कि इस चुनौतीपूर्ण समय में समुदायों को एकजुट होने और मुल्क का समर्थन करने की जरूरत है।

ट्विटर ने हटाए ब्राजील के राष्ट्रपति के विवादित ट्वीट

▸ जेर बोल्सोनारो ने कोरोना वायरस को बताया था सामान्य फ्लू

साओ पाउलो, एएफपी : कोरोना वायरस को सामान्य फ्लू बताने वाले ब्राजील के राष्ट्रपति जेर बोल्सोनारो फिर विवादों में घिर गए हैं। ट्विटर ने क्वारंटाइन को लेकर सवाल उठाने वाले उनके दो ट्वीट अपने प्लेटफार्म से हटा दिए हैं। सोशल मीडिया नेटवर्क के नियमों का उल्लंघन करने के आरोप में कंपनी ने यह कार्रवाई की है।

ब्राजील में अभी तक कोरोना संक्रमण के 4,256 मामले सामने आ चुके हैं और 136 लोगों की जान जा चुकी है। मौत के ज्यादातर मामले ब्राजील की व्यावसायिक राजधानी साओ पाउलो के हैं।

प्रांतीय सरकार के सोशल डिस्टेंसिंग के नियमों की धज्जियां उड़ाते हुए बोल्सोनारो ब्राजीलिया की सड़कों पर अपने समर्थकों से मिले थे और अर्थव्यवस्था को गति देने की अपील की थी। उन्होंने इससे जुड़े कई वीडियो ट्विटर पर पोस्ट किए थे। इनमें से दो पोस्ट को ट्विटर ने हटा दिया है। ट्विटर ने कहा, पोस्ट की गई सामग्री आधिकारिक जानकारी का खंडन करती है, इससे लोगों का जीवन संकट में पड़ सकता है।

विभिन्न प्रांतों के गवर्नर और शहरों के मेयर द्वारा घोषित क्वारंटाइन पर सवाल खड़ा करते हुए बोल्सोनारो ने कहा था, 'यदि इसी तरह चलता रहा तो इससे ना केवल बेरोजगारी बढ़ेगी बल्कि आने वाले समय में कई और परेशानियों का सामना करना पड़ेगा। ब्राजील रुक नहीं सकता। अगर ऐसा हुआ तो हम वेनेजुएला बन जाएंगे।' एक अन्य वीडियो में बोल्सोनारो ने कहा, 'कुछ लोग चाहते हैं कि मैं भी प्रोटोकॉल का पालन करते हुए घर में रहूं। लेकिन यह जीवन है। एक दिन सबको मर जाना है।'